सत्यमेव जयते

न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
थानागाजी–अलवर
(पीठासीन अधिकारी –केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:– 2022/68 दर्ज तिथिः–26.04.2022

1. श्रवण पुत्र जयनारायण उम्र 55 साल जाति मीणा निवासी बामनवास चौगान तहसील थानागाजी जिला अलवर राज0

– प्रार्थी

बनाम

1. रामनाथ पुत्र जयनारायण उम्र 55 साल जाति मीणा निवासी बामनवास चौगान तहसील थानागाजी जिला अलवर राज0
2. मूलचन्द पुत्र मुकन्दा उम्र वयस्क जाति मीणा निवासी बामनवास चौगान तहसील थानागाजी जिला अलवर राज0
3. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार थानागाजी जिला अलवर राज0

.... अप्रार्थीगण

उपस्थित
प्रार्थी अधिवक्ताः– श्री गोपाल शर्मा।
अप्रार्थीः– श्री पेमाराम मेवाल।
श्री रतनेश मेवाल।
पैरोकार सरकार।

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–128
राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2023.05.11 21:03:35 IST
Reason: SelfAttested

–:निर्णयः–

निर्णय तिथिः–09.05.2023

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–128 राजस्थान भू–राजस्व अधि–1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थी की हाल आराजी खसरा नम्बर 256 रकबा 0.02 है0,

1758/210 रकबा 0.15 है0, 1762/212 रकबा 0.15 है0 वाके ग्राम बामनवास चौगान तहसील थानागाजी जिला अलवर में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थी की कब्जेकाश्त खातेदारी की सालिम आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थी काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करता चला आ रहा है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थी की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थी द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार थानागाजी के यहां प्रार्थना–पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार थानागाजी द्वारा दिनांक को मौके पर उपस्थित होकर उक्त आराजी का सीमांकन कराकर निशानदेही कराई गई। परन्तु अप्रार्थीगण पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थी मुताबिक पैमाइश रिपोर्ट दिनांक 11.11.2020 के आधार पर आराजी की पत्थरगढ़ी कराना चाहता है। अंत में प्रार्थना–पत्र प्रार्थी स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण ने उपस्थित न्यायालय होकर जवाब प्रार्थना–पत्र पेश कर अवगत कराया कि अप्रार्थीगण प्रार्थी की खातेदारी आराजी के पड़ोसी काश्तकार हैं। अप्रार्थी संख्या 02 के खसरा नम्बर 257, 1761/212, 1757/210 व अप्रार्थी संख्या 01 के खसरा नम्बर 1760/211 प्रार्थी के खेत से मिले हुए है। उक्त नम्बरों के पैमाईश के लिए ऑनलाईन आवेदन कर रखा है। अंत में उक्त खसरा नम्बरों की पैमाइश के बाद ही पत्थरगढी करने का निवेदन किया।

3. प्रकरण में तहसीलदार थानागाजी को पत्र क्रमांक कोर्ट/2023/1100 दिनांक 19.01.2023 द्वारा बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट निर्धारित चैकलिस्ट में तैयार करने हेतु लिखा गया। जिसकी पालना में पटवार हल्का बामनवास चौगान ने मौके पर जाकर निर्धारित चैकलिस्ट में बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट दिनांक 27.02.2023 तैयार कर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत की।

4. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी व अप्रार्थी की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना–पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना–पत्र प्रार्थी स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 11.11.2020 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है तथा अप्रार्थी ने प्रार्थी की पत्थरगढी के पूर्व अप्रार्थीगण के उक्त आराजी की पैमाईश के पश्चात पत्थरगढ़ी के आदेश करने का निवेदन किया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2023.05.11 21:03:35 IST
Reason: SelfAttested

5. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार है:–

> ***111. Decision of disputes as to boundaries**.—(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

6. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes.** - All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that** applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

7. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2075—78 वाकै ग्राम बामनवास चौगान में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार थानागाजी द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाकै ग्राम बामन[illegible]न के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थी की सालिम[illegible] है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 11.11.2020 से भी यह [illegible] प्रार्थी साबित है कि प्रार्थी द्वारा तहसीलदार थानागाजी के माध्य[illegible] से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर आराजी खसरा नम्बर 1068, 238, 304 गै0 मु0 चाह को मुश्तकिल बिन्दू मानकर खसरा नम्बर 256, 1758 / 210,

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2023.05.11 21:03:35 IST
Reason: SelfAttested

1762 / 212 की सीमाओं पर जरीब चलकार चारों कोनों का सीमाज्ञान कराया। मौके पर उपस्थित लोगों के समक्ष सीमाज्ञान किया जाकर संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट दिनांक 27.02.2023 के अनुसार उक्त वर्णित आराजी पर प्रार्थी का पूर्ण कब्जा है। इस प्रकार प्रार्थी की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थी अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। आराजी खसरा नम्बर 256 रकबा 0.02 है0, 1758 / 210 रकबा 0.15 है0, 1762 / 212 रकबा 0.15 है0 वाके ग्राम बामनवास चौगान तहसील थानागाजी जिला अलवर पर प्रार्थी एवं संबंधित पक्षकारों / हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार थानागाजी को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि प्रार्थी की उक्त खातेदारी से लगती हुई आराजी के पड़ोसी खातेदारों को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए विधिक उपबंधानुसार, अगर दीगर व्यक्ति का उक्त वर्णित आराजी पर कब्जा हो तो बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये किसी दीगर व्यक्ति को कब्जे से बेदखल नहीं करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रतिपालनार्थ हेतु तहसीलदार थानागाजी को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 09.05.2023 को खुले न्यायालय में लिखवाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
थानागाजी (अलवर)

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2023.05.11 21:03:35 IST
Reason: SelfAttested